यौनसंबंधों से प्रसारित होने वाले- संक्रमण और एड्स की रोकथाम

Hindi 印度文

यौन-संबंधों से प्रसारित होने वाले संक्रमण मुख्यत :सीधे यौन-संबंधों से होते हैं। यह आमतौर पर बैक्टीरिया, विषाणुओं और पैरासाइट्स अथवा उपजीवी से होते हैं। हॉंगकॉंग में आमतौर पर आतशक, प्रमेह, नॉनगॉनोकॉक्कल मूत्र शोथ, गुप्तांग नली संक्रमण, गुप्तांग मस्सा, हर्पीज़, गुप्तांग और जघन जूं यौन संक्रमण हैं।

एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशियेंसी सिंड्रोम), एक ऐसा यौन संक्रमण है जो HIV विषाणु (मानव इम्यूनोडेफिशियेंसी विषाणु) से होता है। मानव शरीर में घुसकर HIV धीरे-धीरे उसकी प्रतिरोधक शक्ति को खा जाता है। है। कैंसर तथा यदा-कदा होने वाले संक्रमण का कारण बनता है और अंतत :जान ले लेता है।

यौन संक्रमण अलग-अलग रूपों में प्रकट हो सकते हैं। जनेंद्रिय पर खुजली होना, टूटी हुई त्वचा, छोटे-छोटे छाले, पेशाब करते समय दर्द होना या बार-बार जाना और लिंग अथवा योनि से असामान्य स्राव होना आदि, इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ यौन संक्रमण के तो लक्षण ही प्रकट नहीं होते, जिसके कारण लोगों को अपने संक्रमण की स्थिति का पता ही नहीं चल पाता। जैसे, HIV से संक्रमित लोगों में कई वर्ष तक इसके लक्षण ही प्रकट नहीं होते और वे दूसरों में यह संक्रमण फैलाते रहते हैं।

यौन संक्रमण और एड्स संक्रमण के मार्ग

1. **यौन संपर्क**
   किसी संक्रमित व्यक्ति के साथ योनि, मुख मैथुन तथा गुदा मैथुन जैसे संभोग करना।
2. **माता से शिशु को**
   जन्म से पहले, जन्म के दौरान अथवा बाद में) दूध पिलाने की अवस्था में(।
3. **खून से**
   संक्रमित व्यक्ति के प्रयोग कियेहुए इंजेक्शन से; अथवा संक्रमित खून या खून के उत्पाद के ज़रिये।

यौन संक्रमण तथा एड्स किसी से हाथ मिलाने, गले मिलने, गाल पर चुंबन लेने, स्कूल जाने, साथ में काम करने और साथ में खाना खाने से कभी भी नहीं होता है। न ही अभी तक कीडों के काटने से यौन संबंधी रोग तथा एड्स होने के चिकित्सा में ऐसे कोई प्रमाण

यौन संक्रमण तथा एड्स का उपचार

यौन संक्रमण से व्यक्ति में एड्स संक्रमण का जोखिम बढ जाता है तथा बांझपन, जन्मजात विसंगतियां अथवा मृत्यु जैसी गंभीर स्थितियां तक पैदा हो जाती हैं।

आजकल कुछ **यौन संक्रमण** एंटिबयोटिक दवाओं से भी ठीक हो जाते हैं। आपके यौन साथी को भी चेकअप और उपचार की आवश्यकता है ताकि फिर से संक्रमण न हो। उपचार के दौरान आपको यौन संबंधों से बचना चाहिये या फिर सुरक्षा का ध्यान रख कर ऐसा करें ताकि यह संक्रमण दूसरों में न फैले। बेहतरीन परिणामों के लिये, उपचार का कोर्स पूरा करने हेतु, डॉक्टर के निदेशों का पालन करें। जब तक संक्रमण पूरी तरह ठीक न हो जाये या काबू में न आ जाये, तब तक, कोई लक्षण न रहने के बावजूद, फॉलोअप जारी रखने के लिये, अपने डॉक्टर अथवा क्लिनिक की सलाह पर चलें।

यदि आपको लगता है कि आपको यौन संक्रमण है तो अपने डॉक्टर से सलाह करें ताकि निदान और उपचार जल्दी किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग के सामाजिक स्वास्थ्य क्लिनिक, यौन संक्रमण पर परीक्षण, उपचार और सलाह उपलब्ध कराते हैं। सारी जानकारी गुप्त रखी जाती है। इसके लिये न तो किसी अग्रिम बुकिंग की आवश्यकता है और न ही किसी डॉक्टर के रेफेरेंस की। अधिक जानकारी के लिये आप स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट :http://www.dh.gov.hk पर लॉग इन कर सकते हैं अथवा फिर किसी डॉक्टर की सलाह ले सकते हैं। इसके लिये आप स्वयं अपनी चिकित्सा न करें, इससे सही उपचार में देरी हो सकती है तथा स्थिति और बिगड सकती है।

हालांकि **एड्स**के लिये अभी तक कोई कारगर उपचार उपलब्ध नहीं है, फिर भी एंटिरेट्रोवायरल थेरेपी, इंसानी शरीर में एचाईवी संक्रमण को दबाकर और प्रतिरोधी शक्ति के नुक्सान को धीमा करके, प्रभावी ढंग से संक्रमण को नियंत्रण में ला सकती है। इससे HIVग्रस्त व्यक्ति बेहतर ढंग से-, लंबा जीवन जी सकता है।

दूसरे रोगों की तरह ही जल्दी निदान और जल्दी उपचार स्थिति को बिगडने से रोक सकता है। यदि आपको एचाईवी होने का ज़रा भी संदेह हो तो आप तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और फौरन HIV टेस्ट करायें। निशुल्क और गुमनाम HIV जांच के लिये **आप स्वास्थ्य विभाग की एड्स हॉटलाइन :(852) 2780 2211 संपर्क कर सकते हैं। सभी जानकारी गोपनीय रखी जाती है।**

यौन संबंधों में सक्रिय व्यक्ति को नियमित रूप से चेकअप और एचाईवी की जांच कारते रहनी चाहिये।

संबद्ध जानकारी

- एड्स हॉटलाइन कैंटनीज़), इंग्लिश और पुर्तॉगुआ :((852) 2780 2211
- एड्स हॉटलाइन तगालॉग), वियतनामी और थाई :((852) 2359 9112
- एड्स हॉटलाइन हिंदी), इंडोनेशिया नेपाल और उर्दू :((852) 2112 9980
- स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट :http://www.dh.gov.hk
- हॉंगकॉंग का वर्चुअल एड्स ऑफिस : http://www.aids.gov.hk
- एड्स हॉटलाइन वेबसाइट: http://www.27802211.com

यौन संक्रमण और एड्स की रोकथाम के लिये सुरक्षित यौन तरीके अपनायें

यौन संक्रमण की रोकथाम के लिये सबसे सुरक्षित तरीका है हर यौन संबंध से पहले कंडोम का प्रयोग।।जब तक एक दूसरे का द्रव शरीर में नहीं जाता, तब तक गालों पर चुंबन लेने, हस्तमैथुन करने और एक दूसरे को सहलाने मात्र से यौन संक्रमण का जोखिम बहुत कम रहता है।

पुरुष कंडोम का सही प्रयोग

1. नये और अच्छी गुणवत्ता के कंडोम का प्रयोग करें तथा प्रयोग से पूर्व उसकी समाप्ति तारीख जांच लें।
2. इससे पहले कि लिंग योनि, मुख अथवा गुदा को स्पर्श करे, कंडोम लगा लें।
3. कंडोम की नोक को पकड कर सावधानी से उसके अंदर की हवा निकाल दें। इससे स्खलन के दौरान वीर्य उसके अंदर ही रहेगा।
4. कंडोम को तने हुए लिंग के मुख पर लगायें और फिर उसे खोलते हुए, जघन बालों तक चढा लें।
5. यदि आवश्यक हो तो जलीय लुब्रिकेंट लगायें। तैलीय लुब्रिकेंट लगाने से कंडोम फट सकता है।
6. स्खलन के बाद और लिंग के नर्म पडने से पहले, कंडोम को रिम से पकडकर सावधानी से उतार लें।
7. कंडोम को धीरे से लिंग से उतार लें और ध्यान रखें कि वीर्य इधरउधर न छिटके।-
8. कंडोम को टिश्यू पेपर में लपेटें और कचरा पेटी में डाल दें।

紅絲帶中心 Red Ribbon Centre
UNAIDS COLLABORATING CENTRE 聯合國愛滋病規劃署合作中心 for Technical Support (專業支援)

रेड रिबन सेंटर
टेली: (852) 3143 7200
वेबसाइट: http://www.rrc.gov.hk
निर्मिति–सेंटर रिबन रेड : अनएड्स सहयोगी सेंटर, तकनीकी सहयोग, हॉंगकॉंग

PA/AA4/20-01(O)/GEN-INF